कक्षा-10 हिन्दी, 2025

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं। (ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है—खण्ड-अ एवं खण्ड ब। (iii) खण्ड-अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए हैं। (iv) खण्ड-ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित हैं।

खण्ड-अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

निर्देश: सही उत्तर-विकल्प चुनकर निम्नलिखित **प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** $20 \times 1 = 20$

1. निम्नलिखित **कथनों में से सही कथनों को पहचानकर लिखिए—**

(अ) रामवृक्ष बेनीपुरी प्रसिद्ध एकांकी लेखक हैं।

(ब) **'किन्नर देश में'** के लेखक राहुल सांकृत्यायन हैं।

(स) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल निबन्ध, समालोचना और इतिहास-लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं।

(द) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी कवि एवं कहानीकार हैं।

(ङ) भारतेन्दु 'आधुनिक हिन्दी साहित्य' के जनक थे।

(च) गुनाहों का देवता धर्मवीर भारती का उपन्यास है।

(छ) गुलाबराय प्रसिद्ध कवि हैं।

(ज) 'शिक्षा और संस्कृति' डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की रचना है।

(झ) 'संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।

[**उत्तर**—(ब), (स), (ङ), (च), (ज), (झ) कथन सही हैं]

2. उपन्यास सम्राट कहा जाता है—

(A) डॉ० श्यामसुन्दर दास को (B) प्रेमचन्द को

(C) जयशंकर प्रसाद को (D) जैनेन्द्र कुमार को

3. 'पंच परमेश्वर' कहानी के लेखक हैं—

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (B) यशपाल

(C) प्रेमचन्द (D) राजेन्द्र यादव

4. 'शुक्ल युग' का नामकरण एवं समयावधि किस विद्वान के नाम पर किया गया है—

(A) वंशीधर शुक्ल (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं

(A) 1900 ई. से 1918 ई० तक (B) 1918 ई. से 1938 ई. तक

5. मैला आँचल या 'ध्रुवस्वामिनी' के रचनाकार हैं—

(A) मोहन राकेश (B) फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(C) जयशंकर प्रसाद (D) रामकुमार वर्मा

6. 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है—

(A) सन् 1940 ई. (B) सन् 1943 ई. (C) सन् 1953 ई. (D) सन् 1959 ई.

7. आधुनिक युग की मीरा हैं—

(A) महादेवी वर्मा (B) सुभद्रा कुमारी चौहान

(C) सुमित्रा कुमारी सिन्हा (D) इनमें से कोई नहीं

8. 'साकेत' या 'गंगालहरी' या 'प्रिय प्रवास' या 'राम की शक्ति पूजा' किसकी रचनाएँ हैं—

(A) मैथलीशरण गुप्त की (B) पद्माकर की

(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की (D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

9. छायावाद युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ कौन-सी हैं
(A) कुण्ठा और निराशा (B) शृंगार और प्रेम वेदना
(C) नारी के प्रति परिवर्तित दृष्टिकोण (D) रीति ग्रन्थों का निर्माण

10. 'लोकायतन' या 'बहुरि अकेला' या 'आँग के पार द्वार' या यशोधरा किसकी रचना है–
(A) सुमित्रानन्दन पन्त की ( ) अशोक वाजपेयी की
(C) अज्ञेय की (D) मैथलीशरण गुप्त की

11. बिहारी की का काव्य-शैली है–
(A) मुक्तक (B) प्रबन्ध (C) खण्डकाव्य (D) ये सभी

12. करुण या हास्य का स्थायी भाव होता है–
(A) उत्साह (B) हास (C) भय (D) शोक

13. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में एकसमान मात्राएँ होती हैं, उस छन्द को कहा जाता है–
(A) वर्णिक छन्द (B) विषम छन्द (C) मुक्त छन्द **(D) सम छन्द**

14. 'अनन्त' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है–
(A) अन (B) अन् (C) अ (D) अन्त

15 पूर्वपद संख्यावाची होता है–
A) तत्पुरुष समास में (B) कर्मधारय में
C) द्विगु समास में (D) द्वन्द्व समास में

16. ाकारी का बाण हिरण को लगा। रेखांकित का पर्यायवची है–
( ) शर (B) केश (C) तुषार (D) तरु

17. 'युष्मद्' शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन का रूप है–
(A) युवाम् (B) युष्मासु (C) त्वयि (D) त्वत्

18. जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य और अन्य आश्रित उपवाक्य हो उसे कहते हैं–
(A) सरल (B) संयुक्त वाक्य (C) मिश्र वाक्य (D) कुटिल वाक्य

19. जब वाक्य के भाव की प्रधान होती है, तब वाच्य होता है–
(A) कर्मवाच्य (B) भाववाच्य (C) कर्तृवाच्य (D) इनमें से कोई नहीं

20. 'तस्मै' तद् शब्द के किस विभक्ति और वचन से सम्बन्धित रूप है–
(A) तृतीया, बहुवचन का (B) चतुर्थी, एकवचन का
(C) द्वितीया द्विवचन का (D) पंचमी एकवचन का।

[उत्तर–2. (B), **3.** (C), **4.** (B), **5.** (क्रमशः B एवं C), **6.** (B), **7.** (A), **8.** (क्रमशः A, B, C एवं D), **9.** (B), **10.** (क्रमशः A, B, C एवं D), **11.** (A), **12.** (क्रमशः B एवं D), **13.** (D), **14.** (B), **15.** (C), **16.** (A), **17.** (C), **18.** (C), **19.** (B), **20.** (B)]

Set-2

बहुविकल्पीय प्रश्न **20 × 1 = 20 अंक**

1. 'अभिमन्यु वध' खण्डकाव्य के रचयिता हैं–
(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) रामधारीसिंह 'दिनकर'
(C) रामनरेश त्रिपाठी (D) रामचन्द्र शुक्ल

2. 'मित्रता' निबन्ध के अनुसार विश्वासपात्र मित्र है–
(A) जीवन की एक औषध (B) जीवन का अमृत
(C) जीवन का आधार (D) पैरों में बँधी चक्की

3. सबसे भयानक ज्वर होता है–
(A) मित्रता का (B) क्रोध का (C) कुसंग का (D) शत्रुता का

4. 'चन्द्रगुप्त' किस विधा की रचना है–
(A) कहानी (B) उपन्यास (C) नाटक (D) निबन्ध

5. 'मेरी आत्मकथा' के लेखक हैं–
(A) बाबू गुलाबराय (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) महात्मा गांधी (D) डॉ० राजेन्द्रप्रसाद

6. रासो ग्रन्थों की भाषा है–
(A) ब्रज भाषा (B) अवधी (C) डिंगल (D) खड़ी बोली

7. भक्तिकाल की रचना है–
(A) साकेत (B) विनयपत्रिका (C) लहर (D) प्रेम माधुरी

8. 'तारसप्तक' काव्य के सम्पादक हैं–
(A) विद्यानिवास मिश्र (B) मुक्तिबोध
(C) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (D) हजारीप्रसाद द्विवेदी

9. 'वन-पथ पर' कविता किस कृति से सम्बन्धित है–
(A) जानकीमंगल से (B) पार्वतीमंगल से
(C) रामाज्ञा प्रश्न से (D) कवितावली से

10. हँसि-हँसि भाजैं देखि दूलह दिगम्बर को, पाहुनी जे आवै हिमाचल के उछाह में।
सीस पर गंगा हँसे, भुजनि भुजंगा हँसै, हास ही को दंगा भयो, नंगा के विवाह में।
इन पंक्तियों में रस है–
(A) हास्य (B) शृंगार (C) अद्‌भुत (D) शान्त

11. 'कोटि कुलिस सम वचन तुम्हारा'–पंक्ति में अलंकार है–
(A) यमक (B) रूपक (C) उपमा (D) अनुप्रास

12. 'रूपक' अलंकार का उदाहरण है–
(A) उषा सुनहले तीर बरसाती। (B) पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के।
(C) को घटि ए वृषभानुजा वे हलधर के बीर।
(D) राम एक घनश्याम हित चातक तुलसीदास।

13. जीती जाती हुई, जिन्होंने भारत बाजी।
निज बल से बल मेट, विधर्मी मुगल कुराजी॥
जिनके आगे ठहर, सके जंगी न जहाजी।
हैं ये वही प्रसिद्ध छत्रपति भूज शिवाजी॥
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है–
(A) इन्द्रवज्रा (B) उपेन्द्रवज्रा (C) रोला (D) चौपाई।

14. 'परि' उपसर्ग से युकत शब्द नहीं है–
(A) पर्यावरण (B) पर्यटन (C) परिचालक (D) परिन्दा

15. 'तम्' का विभक्ति और वचन है–
(A) प्रथमा, एकवचन (B) द्वितीया, बहुवचन
(C) षष्ठी, बहुवचन (D) द्वितीया, एकवचन।

16. 'चतुर्भुज' का कौन-सा समास-विग्रह 'द्विगु' समास का उदाहरण है–
(A) चार हैं जो भुजाएँ (B) चार भुजाओं का समाहार
(C) चार हैं भुजाएँ जिसकी अर्थात् विष्णु (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

17. निम्नलिखित में तद्भव शब्द है–

(A) ब्याह (B) कुंजरा (C) उत्साह (D) स्नेह

18. वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो बात की जाती है, वह कहलाती है–

(A) क्रिया (B) विधेय (C) कर्म (D) कर्त्ता

19. 'घायल' हंस उड़ न पाया।' वाक्य का भाववाच्य में परिवर्तन है–

(A) घायल हंस से उड़ा न गया (B) घायल हंस नहीं उड़ सकेगा

(C) घायल हंस नहीं उड़ता है (D) घायल हंस से उड़ा न जाएगा।

20. 'यह उपहार उसे ही देना।' रेखांकित पद का परिचय है–

(A) संज्ञा, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, एकवचन, पुलिंग, कर्म कारक

(B) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, एकवचन, पुलिंग, कर्म कारक

(C) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुलिंग, कर्म कारक

(D) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, पुलिंग, कर्म कारक।

[उत्तर–1. (D), **2.** (A), **3.** (C), **4.** (C), **5.** (D), **6.** (C), **7.** (B), **8.** (C), **9.** (D), **10.** (A), **11.** (C), **12.** (D), **13.** (C), **14.** (D), **15.** (D), **16.** (B), **17.** (A), **18.** (B), **19.** (A), **20.** (D)]

खण्ड-'ब' वर्णानात्मक प्रश्न 50 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3 × 2 = 6

आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्भुत और अतुल शक्ति दे रहा है। उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता ही रहेगा। इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो उस अहिसांत्मक व्याग भावना को प्रोत्साहित करे और भोग भावना को दबाये रखे। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती। वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है। वही इस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उसके उपयोग को नियन्त्रित भी।

(i) उपर्युक्त अवतरण का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) विज्ञान का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है। **अथवा**

यह एक नैतिक और आध्यात्मिक स्रोत है, जो अनन्तकाल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पूर्ण देश में बहता रहा है और कभी-कभी मूर्त रूप होकर हमारे सामने आता रहा है। यह हमारा सौभाग्य रहा है कि हमने ऐसे ही मूर्त रूप को अपने बीच चलते-फिरते, हँसते-रोते भी देखा है और जिसने अमरत्व की याद दिलाकर हमारी सूखी हड्डियों में नई मज्जा डाल हमारे मृतप्राय शरीर में नए प्राण फूँके और मुरझाए हुए दिलों को फिर खिला दिया। यह अमरत्व सत्य और अहिंसा का है, जो केवल इसी देश के लिए नहीं, आज मानवमात्र के जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक हो गया है। हम इस देश में प्रजातन्त्र की स्थापना कर चुके हैं, जिसका अर्थ है व्यक्ति की पूर्ण स्वतन्त्रता, जिसमें वह अपना पूरा विकास कर सके और साथ ही सामूहिक और सामाजिक एकता भी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(ग) लेखक ने गद्यांश में क्या सन्देश देना चाहा है?

निर्देश–नीचे दिये गये गद्यांश का भी अध्ययन कीजिए–

(i) व्यक्ति अपनी/जहाँ-जहाँ.....ओतप्रोत है। (पाठ-भारतीय संस्कृति)

(iii) मैं तो यही समझता.....तौली जानी चाहिए (पाठ-भारतीय संस्कृति)
(iv) विश्वासपात्र मित्र.....उत्साहित करेंगे/पुरुष को करना चाहिए। (पाठ-मित्रता)
(v) मित्र केवल उसे.....वांछनीय नहीं है/मित्रता रही है। (पाठ-मित्रता)
(vi) मितत्रा के लिए.....मित्रता खूब निभी। (पाठ-मिलता)
(vii) मित्र का कर्त्तव्य/उच्च और महान.....धोखा न होगा। (पाठ-मित्रता)
(viii) कुसंग का ज्वर.....उठाती जायगी। (पाठ-मित्रता)
(ix) उनके लिए.....नहीं करना चाहिए। (पाठ-मित्रता)
(x) हे भगवान! तब के .....अन्धा बना रही है। (पाठ-ममता)
(xi) रोहतास-दुर्ग/ममता-विधवा.....कहाँ अन्त था। (पाठ-ममता)
(xii) ईर्ष्या का यही.....भोगनी पड़ती है। (पाठ-ईर्ष्या, तू न गई मेरे मन से)
(xiii) जिन्दगी को मौत.....बिरासत बन गई है। (पाठ-अजन्ता)
(xiv) पहले पहाड़ काट.....प्राण फूँक दिए/पुलकित हो उठे। (पाठ-अजन्ता)
(xv) मानव को चन्द्रमा.....रुचिकर लगेगा। (पाठ-पानी में चाँद)

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $3 \times 2 = 6$

पुर तें निकसी रघुबीर-बधू, धरि धीर दए मग में डग द्वै।
झलकी भरि भाल कनी जल की, पुट सूखि गए मधुराधर वै॥
फिरि बूझति हैं–"चलनो अब केतिक, पर्नकुटी करिहौ कित ह्वै?"
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारु चली जल च्वै॥

(क) उपर्युक्त काव्यांश का सन्दर्भ लिखिए। (ख) पुर से कौन निकली? (ग) मार्ग में दो पग रखते ही क्या हुआ?

अथवा

सच्चा प्रेम वही है जिसकी– तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है, करो प्रेम पर प्राण निछावर॥
देश-प्रेम वह पुण्य-क्षेत्र है, अमल असीम त्याग से विलसित।
आत्मा के विकास से जिसमें मनुष्यता होती है विकसित।

(क) सच्चे प्रेम की परिभाषा बताइए। (ख) कैसा प्रेम निष्प्राण होता है?
(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

निर्देश–नीचे दिये गये पद्यांशों का अध्ययन कीजिए।

(i) ऊधौ मोहिं ब्रज.....हित जदु-जात। (पाठ-सूरदास पद)
(ii) निरगुन कौन देस.....सबै मति नासी। (पाठ-सूरददास पद)
(iii) उद्यौ मन न.....नहीं जगदीस। (पाठ-सूरदास पद)
(iv) लखन लखेउ.....संगु बनाई। कड़हास। (पाठ-तुलसीदास)
(v) रानी मैं जानी.....बनवास दियो है? (पाठ-वन-पथ पर)
(vi) सीस जटा उर.....सखि रावरे को है? (पाठ-वन-पर पर)
(vii) सुनि सुन्दर बैन.....मंजुल कंज-कली। (पाठ-वन-पथ पर)
(viii) मानुष हौं तौ.....कदबं की डारन। (पाठ-रसखान - सवैये)
(ix) धूरि भरे अति.....गयौ माखन रोटी। (पाठ-रसखान -सवैये)
(x) मोर-पखा सिर.....अधरा न धरौंगी। (पाठ-रसखान -सवैये)
(xi) अतुलनीय जिनके.....घोष रण-गर्जन। (त्रिपाठी-स्वदेश प्रेम)
(xii) विषुवत रेखा का .....है प्राण निछावर। (त्रिपाठी-स्वदेश प्रेम)
(xiii) सागर निज छाती.....इनके तट पर। (त्रिपाठी-स्वदेश प्रेम)
(xiv) जाति-धर्म का .....गौरव का ज्ञान यहाँ (मैथिलीशरण का भारत माता का मन्दिर यह)
(xv) चरन कमल ..... बंदौ तिहिं पाई। (पाठ-सूरदास पद)

3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– **2 + 3 = 5**

एकदा बहाव: जना: धूमयानम् (रेलगाड़ी) आरुह्य नगरं प्रति गच्छन्ति स्म। तेषु कैचित् ग्रामीण: केचिच्च नागरिका: आसन्। मौनं स्थितेषु तेषु एक: नागरिक: ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत्, "ग्रामीणा: अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिता: अज्ञाश्च सन्ति। न तेषां विकास: अभवत् न च भवितुं शक्नोति।"तस्य तादृशं जल्पनं श्रुत्वा कोऽपि चतुर: ग्रामीण: अब्रवीत्, "भद्र नागरिक! भवान् एव किञ्चित् ब्रवीतु, यतो हि भवान् शिक्षित: बहुज्ञ: च अस्ति।" इदम् आकर्ण्य स नागरिक: सदर्पं ग्रीवाम् उन्नमय्य अकथयत्, "कथयिष्यामि, परं पूर्वं समय: विधातव्य:।" तस्य तांवार्तां श्रुत्वा स चतुर: ग्रामीण: अकथयत्, "भो: वयम्अशिक्षिता: भवान् च शिक्षित: वयम् अल्पज्ञा: भवान् च बहुज्ञ:, इत्येवं विज्ञाय अस्माभि: समय: कर्त्तव्य:, वयं परस्परं प्रहेलिकां प्रक्ष्याम:। यदि भवान् उत्तरं दातुं समर्थ: न भविष्यति तदा भवान् दशरूप्यकाणि दास्यिति। यदि वयम् उत्तरं दातुं समर्था: न भविष्याम: तदा दशरूप्यकाणाम् अर्धं पञ्चरूप्यकाणि दास्याम:।"

(i) विश्वस्य स्रष्टा.....संस्कृते: सन्देश: (पाठ-भारतीय संस्कृते:)
(ii) भारतीय संस्कृति:.....राष्ट्रस्य च राष्ट्रियता (पाठ-भारतीय संस्कृते:)
(iii) अस्माकं संस्कृति: .....आतारे दृढता चेति (पाठ-भारतीय संस्कृते)
(iv) इयं नगरी विविध.....सर्वत्र स्पृह्यन्ते (पाठ-वाराणसी)
(v) एबा नगरी भारतीय.....पारसी भाषायां कारित: (पाठ-वाराणसी)
(vi) वाराणसी सुविख्याता.....इमां बहुप्रशंसन्ति (पाठ-वाराणसी)
(vii) एकदा बहव: जना:.....बहुज्ञ: च अस्ति(पाठ-प्रबुद्धो ग्रामीण:)
(viii) तस्य तां वार्तां.....दास्याम: (पाठ-प्रबुद्धो ग्रामीण:)

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– **2 + 3 = 5**

(क) रे रे चातक ! सावधानमनसा मित्र! क्षण श्रूयताम्।
अम्भोदा बहवो बसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशा:।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधा गर्जन्ति केचिद् वृथा।
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वच:॥

(ख) धान्यानामुत्तमं किस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम्?
लाभानामुत्तमं किं स्यात् सुखानां स्यात्किमुत्तमम्?।
धान्यानामुत्तमं दाक्ष्यं धनानामुत्तमं श्रुतम्।
लाभानां श्रेय आरोग्यं सुखानां तुष्टिरुत्तमा।

(i) सर्वे भवन्तु.....दुख:भाग भवेत् (पाठ-भारतीय संस्कृति)
(ii) बन्धन मरणं.....हि वीरता। (पाठ-वीर: वीरेण पूज्यते)
(iii) हतो प्राप्स्यसि.....विगतज्वर: (पाठ-वीर: वीरेण पूज्यते)
या माता गुरूतरां.....बहुतरी तृणात (पाठ-जीवन सूत्राणि)
(iv) किंस्विद् प्रवसतो.....मित्रं मरिष्यत:? (पाठ-जीवन सूत्राणि)
या सार्थ: प्रवसतो.....मित्रं मरिष्यत: (पाठ-जीवन सूत्राणि)
(v) दक्ष्यमेकपदं.....सुखम (पाठ-जीवन सूत्राणि)
या किंस्विदेकपदं.....सुखम् (पाठ-जीवन सूत्राणि)
(vi) किं नु हित्वा.....सुखी भवेत्? (पाठ-जीवन सूत्राणि)
या मानं हित्वा.....सुखी भवेत। (पाठ-जीवन सूत्राणि)

(vii) नीर-क्षीर-विवेक.....पालयियति कं: (पाठ-अन्योक्ति विलास:)
(viii) नितरां नीचोऽस्मीति.....गुणग्रहीतासि। (पाठ-अन्योक्ति विलास:)
(ix) कोकिला। यापय.....समुल्लसति (पाठ-अन्योक्ति विलास:)
(x) रात्रिर्गमिष्यति.....गज उज्जहार (पाठ-अन्योक्ति विलास:)

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में किसी एक का उत्तर दीजिए– 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के उद्देश्य को समझाइए।
(iii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर किसी प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
(iv) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गांधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर कलिंग युद्ध का वर्णन कीजिए।
(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'पंचम' संर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
(iii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर शिशुपाल का चरित्रांकन कीजिए।
(iv) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रस्थान सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(घ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'पृथ्वीराज' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर भामाशाह का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।
(iv) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'पृथ्वीराज द्वारा दी गई युद्ध की प्रेरणा' का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।
(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(iii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक चन्द्रशेखर आजाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग या सप्तम सर्ग का कथासार लिखिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण-वध' की मार्मिकता का चित्रांकन कीजिए।
(iii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की दानशीलता का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
(iv) 'कर्ण' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण संक्षेप में कीजिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत-कैकेयी संवाद का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
(iii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(iv) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'राम-भरत' मिलन की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मुख विध्वंस और मेघनाद-वध' सर्ग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।
(iv) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्रांकन कीजिए।

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी दो प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए– 3 + 2 = 5

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ii) डॉ० राजेन्द्रप्रसाद
(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी दो प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए– 3 + 2 = 5

(i) गोस्वामी तुलसीदास (ii) सूरदास (iii) रामनरेश त्रिपाठी (iv) बिहारीलाल

7. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

8. निम्नलिखित विषय पर पत्र लिखिए– 4

आप 21, आदित्य सदन, आजाद रोड, प्रयागराज के रहने वाले यज्ञेश हैं। अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव के बारे में बताते हुए अपनी दादीजी को एक पत्र लिखिए। ***अथवा***

आप बी-22, कुंज निवास, कानपुर के रहने वाले अभिषेक हैं। अपने मित्र को बड़े भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिए एक निमन्त्रण-पत्र लिखिए। ***अथवा***

भाई की शादी में शामिल होने के लिए तीन दिन के अवकाश हेतु अपने प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए। ***अथवा***

अपने क्षेत्र में व्यापक गन्दगी के कारण उत्पन्न डेंगू एवं मलेरिया जैसी भयंकर बीमारियों की जानकारी किसी दैनिक-पत्र के सम्पादक या नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को देते हुए पत्र लिखिए। ***अथवा***

सहायक अध्यापक के पद हेतु आवेदन-पत्र (निर्धारित प्रपत्र शैली) लिखिए। ***अथवा***

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को निम्न में से एक के लिए पत्र लिखिए–
(i) फीस माफी के लिए (ii) विद्यालय में खेल का सामान उपलब्ध कराने के लिए
(iii) छात्रवृत्ति के लिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए– 1+ 1 = 2

(i) पदेन बिना किम दूरं भाति? (ii) ज्ञानं कुत्र सम्भवति? (iii) किंस्विद् गुरुतरा भूमेः? (iv) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत? (v) वीरः केन पूज्यते? (vi) पुरुराजः केन सह युद्धम् अकरोत्? (vii) पुरुराजः कः आसीत्? (viii) वाराणसी नगरी कस्याः नद्याः कूले स्थिता? (ix) वाराणसी नगरी केषां संगमस्थली अस्ति? (x) चन्द्रशेखरः कः आसीत्? (xi) भारतीय संस्कृतिः केषां संगमस्थली अस्ति? (xii) गीतायाः कः सन्देशः? (xiii) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम अकथयत? (xiv) भारतीय संस्कृतेः मूलं किम अस्ति? (xv) कुत्र मरणं मंगल भवति?

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– **7 अंक**

(i) जनसंख्या विस्फोट–कारण और निवारण या जनसंख्या वृद्धि,
(ii) शिक्षा में खेल-कूद का स्थान या जीवन में खेलकूद की उपयोगिता,
(iii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान,
(iv) इण्टरनेट या कम्प्यूटर की उपयोगिता,
(v) स्वच्छ भारत : एक कदम स्वच्छता की ओर,
(vi) भ्रष्टाचार की समस्या,
(vii) विज्ञान के बढ़ते चरण या विज्ञान वरदान या अभिशाप,
(viii) मेरी प्रिय पुस्तक या प्रिय कवि। (ix) अनुशासन का महत्व,
(x) नई शिक्षा नीति,
(xi) भारत में आतंकवाद या देश प्रेम,
(xi) प्रदूषण का प्रभाव।

●●